කැලණිය විශ්වවිද්‍යාලය - ශ්‍රී ලංකාව

දුරස්ථ සහ අඛණ්ඩ අධ්‍යාපන කේන්ද්‍රය

ශාස්ත්‍රවේදී (සාමාන්‍ය) උපාධි තෙවන පරීක්ෂණය (බාහිර) - 2014/15

2019 පෙබරවාරි - අප්‍රේල්

මානවශාස්ත්‍ර පීඨය

හින්දී - HINDI

පුරාතන හින්දී සාහිත්‍ය ඉතිහාසය හා නූතන හින්දී පද්‍ය සාහිත්‍ය උද්ධෘත

නියමිත හා අනියමිත (පැරණි නිර්දේශය) **HIND - E 3025**

සියලුම ප්‍රශ්න වලට පිළිතුරු සපයන්න.

ප්‍රශ්න සංඛ්‍යාව : 05 යි.

කාලය : පැය 03 යි.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

---

01. निम्नलिखित पद्यांशों में से <u>किन्हीं दो</u> की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। (20 अंक)

(क) इस करुणा कलित हृदय में
अब विकल रागिनी बजती
क्यों हाहाकार स्वरों में
वेदना असीम गरजती?

मानस सागर के तट पर
क्यों लोल लहर की घातें
कल–कल ध्वनि से हैं कहती
कुछ विस्मृत बीती बातें?

आती है शून्य क्षितिज से
क्यों लौट प्रतिध्वनि मेरी
टकराती बिलखाती–सी
पगली–सी देती फेरी?

(ख) वह तोड़ती पत्थर,
देखा उसे मैंने इलाहाबाद के पथ पर ....
वह तोड़ती पत्थर।

कोई न छायादार
पेड़ वह जिसके तले बैठी हुई स्वीकार;
श्याम तन, भर बँधा यौवन,
नत नयन, प्रिय कर्म–रत मन,
गुरु हथौड़ा हाथ,
करती बार–बार प्रहार ....
सामने तरु मालिका अट्टालिका, प्राकार।

(ग) और तब सम्मान से जाते गिने
नाम उनके, देश–मुख की लालिमा
है बची जिनके लुटे सिन्दूर से;
देश की इज्जत बचाने के लिए
या चढ़ा जिनने दिये निज लाल हैं।

ईश जानें, देश का लज्जा विषय
तत्त्व है कोई कि केवल आवरण
उस हलाहल –सी कुटिल द्रोहाग्नि का
जो कि जलती आ रही चिरकाल से
स्वार्थ–लोलुप सभ्यता के अग्रणी
नायकों के पेट में जठराग्नि–सी।

02. निम्नलिखित पद्यांश की भावार्थ सहित व्याख्या कीजिए। (20 अंक)

बीती गरमी वर्षा आयी,
मौसम ने अब ली अंगड़ाई।
हरे–भरे वुक्षों पर देती,
कैसी सुंदर छटा दिखाई।

हँसते फूल, विहँसती कलियाँ,
झर–झर बहते झरने नदियाँ।
फूल–फूल हर कली–कली पर
इतराती, इठलाती परियाँ।

कल–कल, कल–कल बहता पानी,
कहता प्रतिक्षण कोई कहानी।
हरे–हरे वृक्षों ने बदली
गरमी की पोशाक पुरानी
बीती गरमी वर्षा आयी
मौसम ने ली अब अंगड़ाई।

02. 'सूर्यकांत त्रिपाठी निराला ने तत्कालीन भारत की दयनीय स्थिति का यथार्थ चित्रण किया है।' पठित कविताओं के आधार पर इस कथन का समर्थन कीजिए। (20 अंक)

04. **'आँसू** एक विरह काव्य है।' सोदाहरण इस कथन की पुष्टि कीजिए। (20 अंक)

05. हिंदी साहित्य के भक्ति साहित्य का परिचय देते हुए निर्गुण उपासना पद्धति का विस्तृत वर्णन कीजिए। (20 अंक)

*****